खबर संक्षेप

आज मनाया जाएगा माँ पीतांबरा जन्मोत्सव

मण्डला। आज माँ पीतांबरा जिन्हें बगलामुखी भी कहा जाता है, जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर देवी मंदिरों में पूजन, हवन एवं भण्डारा आदि आयोजन होंगे। इसी कड़ी में आमानाला स्थित मां बगलामुखी का जन्मोत्सव पर पूजन, हवन एवं विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया है। पं ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि माँ बगलामुखी को पीतांबरा देवी के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इनके द्वारा पीले वस्त्र धारण किए जाते हैं और पीले रंग के फल और पकवान ही इन्हें प्रिय हैं। आज मां भगवती का पूजन अर्चन कर उनका पीला श्रंगार किया जाएगा। श्री मिश्रा ने बताया कि हर साल वैशाख मास में पडऩे वाली शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर बगलामुखी माँ का जन्मोत्सव मनाया जाता है। मां बगलामुखी की पूजा दस महाविद्या के रूप में भी की जाती है। मां बगलामुखी की पूजा खासतौर पर कोर्ट-कचहरी और शत्रुओं से छुटकारा पाने के लिए की जाती है। इन्हें माँ बगलामुखी, पीताम्बरा, बगला, वल्गामुखी, वगलामुखी आदि नामों से भी जाना जाता है। मां बगलामुखी की पूजा करने से भक्त भयंकर रोगों पर विजय प्राप्त करता है। दरिद्रता नाश के लिये माँ बगलामुखी की उपासना की जाती हैं।

सोमवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह के साथ किया जायेगा समापन

माँ नर्मदा के तट पर अतिथियों का सत्कार

* रामनगर में हुआ सातवे आदि उत्सव का आगाज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

रामनगर में आदि उत्सव का भव्य शुभारंभ रविवार 4 मई को माँ नर्मदा के तट पर हुआ। सातवे आदि उत्सव के शुभारंभ अवसर पर देशभर से आए अतिथियों ने उत्सव की शोभा बढ़ाई। शुभारंभ दिवस पर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन विष्णुदेव साय, केन्द्रीय जनजातीय मंत्री जुएल ओराम, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजातीय आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य, मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री समाज कल्याण अनु.जा. एवं जन. कल्याण श्री संजीव गौड़, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, लोकसभा सांसद कांकेर भोजराज नाग, विधायक बिछिया नारायण सिंह पट्टा, विधायक निवास चैनसिंह वरकड़े, विधायक लखनादौन योगेन्द्र सिंह बाबा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, जिला पंचायत अध्यक्ष डिंडौरी रूद्रेश परस्ते, पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते, शिवराज शाह, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, प्रदेश एवं अन्य प्रांतों से आए गौंड़ राजाओं के वंशज, अधिकारी, कर्मचारी तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दो दिवसीय इस उत्सव के प्रथम दिवस में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महा आरोग्य शिविर तथा निःशक्तजन के कल्याण के लिए एमिल्को के सहयोग से दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदाय करने हेतु दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। उत्सव के दौरान लगातार सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हुए अतिथियों द्वारा महा आरोग्य शिविर, दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदाय करने हेतु एमिल्को के सहयोग से लगाए गए सहायक उपकरण वितरण शिविर तथा मिलेट फेस्टिवल का अवलोकन किया गया। आदिवासी गुदुम दल, आदिवासी नृत्य एवं अन्य आदिवासी लोक संस्कृति के सांस्कृतिक आयोजनों ने लोगों का मन मोह लिया। दोपहर बाद उत्सव में संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। उत्सव के दौरान शासन के विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं के स्टॉल प्रदर्शित किए गए, इसके अलावा कृषि विभाग एवं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से फूड स्टॉल लगाए गए। आदि उत्सव के प्रथम दिवस पर जिले एवं जिले के बाहर से आदिवासी परंपरा एवं पूजा पद्धतियों को संभालने वाले पंडा तथा भुमका भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। सोमवार 5 मई को आदि उत्सव के दूसरे एवं अंतिम दिन मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 600 से अधिक जोड़ों का विवाह संस्कार संपन्न कराया जायेगा। सामूहिक विवाह/निकाह कार्यक्रम के साथ आदि उत्सव का समापन होगा।

उचित मूल्य दुकान का सेल्समेन कर रहा सरकार के खिलाफ आन्दोलन

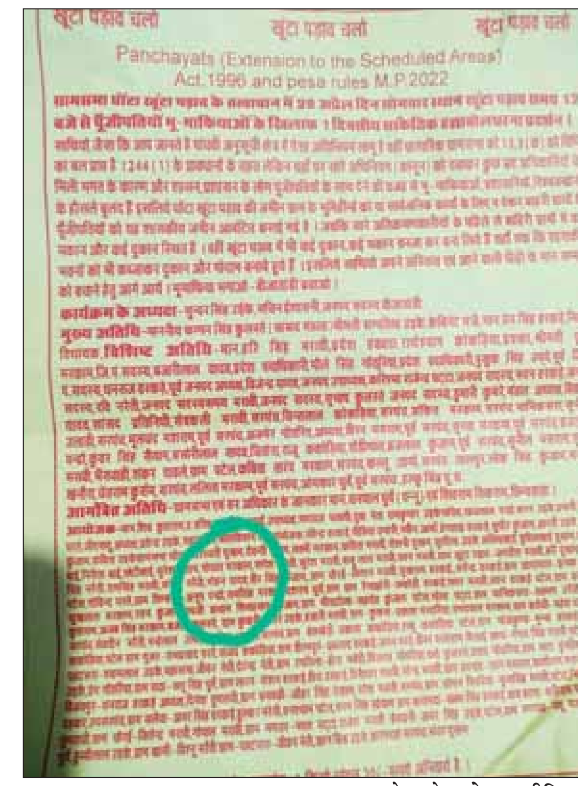

Panchayats (Extension to the Scheduled Areas) Act, 1996 and pesa rules M.P.2022

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

विकासखण्ड बीजाडांडी के छीवालिया लेंप्स (मानिकसरा) के उचित मूल्य दुकान बरवाही के विक्रेता मोहन यादव पिता सुखलाल यादव निवासी नगरार के द्वारा अपनी सोसायटी बंद कर आंदोलन में सक्रिय रूप से भागीदारी निभाते हुए देखा गया और वहां की जनता सोसाइटी खोलने का दिनभर इंतजार करती रही यह महाशय सरकार के खिलाफ किया जा रहा राजनीतिक आंदोलन करने में व्यस्त रहे। इस प्रकार शासकीय कर्मचारी सक्रिय रूप से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राजनीतिक कार्यक्रम में खुल्लम खुल्ला शासकीय नीतियों को तक में रखकर भागीदारी निभा रहा है।

सरकारी कर्मचारी मोहन यादव पिता सुखलाल यादव निवासी नगरार सेल्समेन सोशल मीडिया में प्रचार प्रसार कर रहा है और व्हाट्सएप ग्रुप में दिनांक 25/ 4/25 को पोस्ट डालकर सरकार के विरोध में ग्रामीणों को गलत जानकारी देकर एवं गलत पत्रक छपावा कर पत्रक में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते एवम केबिनेट मंत्री संपतिया उइके और मंडल अध्यक्ष डुमारी कुम्हरे एवं भाजपा के तमाम कार्यकर्ताओं का नाम लिख कर पत्रक को सोसल मीडिया में डाल कर ग्रामीणों को बहका रहा था। परंतु आदिम जाति सेवा सहकारी समिति विभाग के उच्च अधिकारी मौन धारण किए है इसका लगातार समर्थन करते हुए प्रतीत होते हैं अब देखना है कि इस व्यक्ति को ये अधिकारी कब तक सरकार के खिलाफ कार्य करने की छूट दिए जाने के पक्ष में है अथवा इनके खिलाफ कठोर कार्यवाही भी की जाएगी।

नेशनल हाईवे नारायणगंज में दो दुर्घटना

मण्डला। नारायणगंज कूड़ा मैली के घाट में ट्रक एवं कार से दुर्घटना होने पर बीच रोड में तीन ट्रक पलट गए जिससे घंटे जाम लग रहा सुबह 6:00 की घटना 4:00 बजे जाम खुला अभी भी बन वे गाड़ियां जा रही हैं पूरी तरह से जाम नहीं खुल पाया गाड़ियों को निकालने के लिए क्रेन गाड़ी आ गई है जो की गाड़ी निकल रही है इसी तरह सहजनी में दो गाड़ियों की टक्कर से गाड़ी चालक घायल हो गया उपचार के लिए समुदाय स्वास्थ्य के नारायणगंज लाया गया।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने चौगान मढ़िया पूजा-अर्चना की

मण्डला। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने रविवार को प्राचीन देव मढ़िया चौगान में पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की जनता के लिए सुख-समृद्धि की कामना करते हुए आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विधायक चैनसिंह वरकड़े, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट मौजूद थे।

ग्रामीण कृषि विभाग अधिकारी तेकाम की सेवानिवृत्ति पर समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जिले के शासकीय कृषि प्रक्षेत्र चिरईडोंगरी में पदस्थ प्रक्षेत्र प्रबंधक बीएस तेकाम की सेवा निवृत्ति पर शासकीय प्रक्षेत्र में विदाई समारोह का आयोजन पूर्व मंडी अध्यक्ष सुनील नामदेव, कृषि विकास अधिकारी संघ ने मंडला के जिला अध्यक्ष डीएस धुर्वे की गरिमामई उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सेवा निवृत्त प्रक्षेत्र प्रबंधक बीएस तेकाम की समर्पित सेवा और कृषकों के प्रति योगदान की एक स्वर में सभी वक्ताओं ने सराहना करते हुए उन्हें कर्तव्य निष्ठ, विभाग और कृषकों के बीच का सेतु बताया। उनकी प्रथम नियुक्ति छिंदवाड़ा जिले के सौंसर में ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी पद पर 1999 में हुई थी। बर्ष 2003 में उनका स्थानांतरण शासकीय कृषि प्रक्षेत्र चिरईडोंगरी में किया गया था। तब से सेवा निवृत्त होने तक आप यहां पदस्थ रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीय कृषक, जनप्रतिनिधि, अधिकारियों ने उनका सम्मान किया। नवनियुक्त प्रक्षेत्र प्रबंधक एन पी धुर्वे, पूर्व प्रबंधक मसराम, डी एल उइके, सुजीत पटेल, आशीष ठाकुर, शंकर पटेल,रामू श्रीवास्तव, सुरेन्द्र पटेल, प्रताप पटले, महेंद्र यादव, भगतसिंह उइके, अमरलाल यादव अशोक जंघेला सहित बड़ी संख्या में शुभचिंतक उपस्थित थे।

उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में आयोजित किया गया समर कैम्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जगन्नाथ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में समर कैम्प के तीसरे दिवस आज संगीत की बारीकियां बच्चों ने सीखीं और मधुर संगीत लुफ्त उठाया। संगीत की बेसिक जानकारी देने हेतु सेंथोसायसर विशेषज्ञ वेदांत बरमैया और तबला वादक अनुज पटेल द्वारा समर कैम्प में शामिल विद्यार्थियों को संगीत की बेसिक जानकारी दी गई। उपस्थित विद्यार्थियों को ध्यान करवाया गया। संस्था प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव के निर्देशन में आयोजित समर कैम्प में, शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार थीम बेस्ड गतिविधियां सिखाई जा रही हैं। बच्चे आनंदित हो रहे हैं। थीम अनुसार विशेषज्ञ आमंत्रित किए जा रहे हैं। तृतीय दिवस के एल बरमैया, श्रीमती सुजाता शर्मा, ज्योति मिश्रा, स्वाति भरद्वाज, नागेंद्र सिंह चौहान, विपिन लखेरा शिवम मिश्रा, शैलेश जायसवाल उपस्थित थे।

कार्यक्रम | अद्वैत वेदांत दर्शन के प्रखर प्रवक्ता थे आदि शंकराचार्य जी-आचार्य भीमदेव जी।

आदिगुरू शंकराचार्य जी की जयंती पर कार्यक्रम

* महाविद्यालय मंडला में आदि शंकराचार्य की जयंती मनाई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

संपूर्ण सांस्कृतिक भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य करने वाले अद्वैत वेदांत के प्रवक्ता आदिगुरू शंकराचार्य जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए म.प्र.शासन ने आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा एकात्मता धाम की स्थापना की गई हैं।

आचार्य शंकर प्रकटोत्सव-एकात्म पर्व के रूप में 2 मई से 16 मई तक पखवाड़ा मनाया जाना हैं। इसी तारतम्य में जन अभियान परिषद् विकासखंड मंडला ने शासकीय रानी दुर्गावती स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला के सभागार में जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान माला कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माँ नर्मदा निर्भय सेवाश्रम-घाघा के स्वामी प्रेमानंद जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल-गयाजीपुरम के आचार्य भीमदेव जी नैष्टिक ब्रम्हचारी, ब्रम्हचारी प्रदीप आर्य जी, जन अभियान परिषद् के जिला समंवयक राजेन्द्र चौधरी, विकासखंड समंवयक संतोष झारिया मंच पर उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों द्वारा आदि शंकराचार्य जी के चित्र का पूजन-माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात परिचय-स्वागत हुआ। जिला समंवयक महोदय ने कार्यक्रम की भूमिका रखी। समाजकार्य के विद्यार्थियों ने आचार्य शंकर के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर प्रकाश डाला। मुख्यवक्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे आचार्य भीमदेव जी ने सभी उपस्थित जनों से आदि शंकराचार्य जी के विचारों को अपने जीवन में उतारने के लिये अनेक तरह से प्रेरित किया। स्वामी प्रेमानंद जी ने भी आदि शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन को समझाया। कार्यक्रम के अंत में विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया ने कॉलेज प्रबंधन, मंचासीन अतिथियों, उपस्थित समाजकार्य विद्यार्थियों, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों के साथ सी.एम.सी.एल.डी.पी. के परामर्शदाता आशीष नामदेव, संतोष रजक, लालाराम चक्रवर्ती, श्रीमती रागिनी हरदहा, श्रीमती दीपा श्रीवास, समाजकार्य स्नातक-स्नातकोत्तर के विद्यार्थी, नवांकुर-प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि एवं नगर के गणमान्य जन उपस्थित रहे।

महाकौशल वनांचल शिक्षा का प्रशिक्षण वर्ग

* शिक्षा रोजगार परक होनी चाहिए-डॉ विजय आनंद।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शिवन्यास महाकौशल प्रांतीय सचिव डॉ. विजय आनंद मरावी का प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। शनिवार को मंडला सरस्वती विद्यायल में विद्या भारती के तत्वाधान में आयोजित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग 7 दिवसीय कार्यक्रम में महाकौशल प्रांत सचिव डॉ.विजय आनंद मरावी शामिल हुए, देसाई, नरेश राजपूत महामंत्री मंडल बिछिया, सामाजिक कार्यकता नरेंद्र धुर्वे, मयंक जोध एवं समन्वयक रवि परते भी-अपने शामिल हुए। संस्कार केंद्रों से संबंधित विभिन्न कार्यकर्ताओं ने अपने समाजिक कार्यों का उल्लेख किया कुछ महिलाओं ने अपने क्षेत्र में दहेज प्रथा समाप्ति, शराब बंदी जैसे प्रयासों का उल्लेख किया। डॉक्टर विजय आनंद मरावी ने अपने व्याख्यान में शिक्षा के महत्व को बताते हुए क्षेत्र में पलायन जैसी समाजिक और आर्थिक समस्याओं पर प्रकाश डाला और कहा कि शिक्षा रोजगार परक होनी चाहिए साथ ही राष्ट्रीयता के विकास का माध्यम होना चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत मैली जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत मैली में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव
ग्राम पंचायत मैली
जनपद पंचायत नारायणगंज

सरपंच
ग्राम पंचायत मैली
जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत बनार जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत बनार में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव
ग्राम पंचायत बनार
जनपद पंचायत नारायणगंज

सरपंच
ग्राम पंचायत बनार
जनपद पंचायत नारायणगंज

खबर संक्षेप

ग्रामीण क्षेत्रों में डाली गई विद्युत केबिल में आये दिन लग रही आग से बंद रहती है बिजली व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/सडूमर। म.प्र. विद्युत मंडल द्वारा बीते हुए वर्ष शासन का करोड़ो रूपया खर्च करते हुए शहरों से लेकर गांवों में बिजली चोरी रोकने के लिए तारों की जगह केबिल डालते हुए बिजली चोरी रोकने का जो प्रयास किया गया है वह निश्चित ही अच्छाई का प्रतीक माना जा रहा है, इससे निश्चित ही बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा, मगर जिस प्रकार से बिजली विभाग द्वारा तारों की जगह केबिल डालने का कार्य ठेकेदारी के माध्यम से कराया था उसमें ठेकेदारों द्वारा जिस प्रकार की केबिलों को डाला गया है उनकी गुणवत्ता चंद दिनों में ही अपनी सच्चाई अपने आप स्पष्ट करते हुए दिखाई देने लगी है? क्योंकि आये दिन केबिलों में हो रही फाल्ट सहित उनमें टूट फूट के चलते इन केबिलों की गुणवत्ता की सच्चाई झलक रही है, वही दूसरी ओर ग्रामवासियों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

इस प्रकार से चल रही गांव की बिजली व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से क्षेत्र की जंगलों को लकड़ी माफियों द्वारा रातो रात सफाया किया जा रहा है जिसको लेकर स्थानीय वन विभाग की कार्य प्रणाली चर्चाओं में बनी हुई है? वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में जहां तहां बबूल के पेड़ो की कटाई होने के साथ उनका अवैध रूप से दूसरे प्रांतों में परिवहन होना वन विभाग के अधिकारियों पर मिली भगत का संदेह पैदा करते हुए जान पड़ रहा है? जबकि शासन द्वारा बीते हुये वर्ष लगभग 53 प्रकार के वृक्षों की कटाई पर प्रतिबंध लगाते हुये उनके परिवहन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें बबूल भी शामिल होने की बात कहीं जाने के उपरांत भी देखा जा रहा है कि धड़ल्ले से बबूल के पेड़ों को काटने के साथ साथ उनकी लकड़ी का परिवहन होना अनेक प्रकार के संदेहों को जन्म दे रहा है? मगर क्षेत्र में देखा जा रहा है कि क्षेत्रवासियों की मिली भगत के चलते कुछ दूसरे प्रांतों से आये हुए लोगों द्वारा म.प्र. से बबूल सहित अनेक प्रकार के पेड़ो की लकड़ी को औने पौने दामों में खरीदकर अपने प्रांतों में ले जायी जा रही है। इस संबंध में बताया जाता है कि क्षेत्र में बाहर से आये हुए बबूल माफियों द्वारा यहां से बबूल की लकड़ी खरीदकर अपने प्रांत को अवैधानिक रूप से खुलेआम परिवहन करते हुए देखे जाने के बाद भी वन विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना निश्चित तौर से वन अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाने से नहीं चूक रहा है? वहीं दूसरी ओर इस प्रकार से धड़ल्ले से चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन को लेकर वन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत का संदेह पैदा होने से भी नहीं चूक पा रहा है? इस प्रकार क्षेत्र के गांवों से बबूल के पेड़ कटने के साथ उनका परिवहन होने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खड़े हुए बबूल के जंगल जहां आज साफ होने के बाद सिर्फ उनके ठूंट ही ठूंट नजर आ रहे है?

पत्नि ने पति से पूछा काय कहा जा रहे हो.. तो पति ने कर दी पिटाई

गाडरवारा। जहां एक ओर घर की पत्नी को लोग लक्ष्मी का दर्जा देते हुये सम्मान करते है। वही दूसरी ओर पत्नी भी अपने को भगवान का दर्जा देते हुये पूजन करने के साथ भूखे प्यासे रहते हुये लम्बी उम्र के लिये व्रत धारण करते हुये देखी जाती है। मगर कुछ पति इस तरह से होते है जो बात बात पर अपनी पत्नी को मारपीट करते हुये प्रताड़ित करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाइर बीते हुये दिवस नगर के पुंचवटी कालोनी में उस समय देखने मिली जब पत्नि ने अपने पति से सिर्फ इतना पूछ लिया की काय आप कहा जा रहे हो इसी बात को लेकर पति बेहरमी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई।

सूरज की तेज तपन के बीच अपनी मूंग फसल को बचाने में जुटा हुआ है अन्नदाता किसान, एक ओर बिजली की कटौती तो दूसरी ओर इल्ली का प्रकाश किसानों की मेहनत पर फेर रहा है पानी

लाईनों से चलाये जहां रहे नलकूपों के कारण फाल्ट हो रही है अन्य किसानों की सिंचाई लाईन ...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

रात दिन एक करते हुये खेतों में अन्न पैदा करते हुये देशवासियों का पेट भरने वाला किसान ही देश का आधार स्तंभ माना जाता है। मगर इन किसानों के साथ जिस तरह प्रकृति से लेकर सरकार द्वारा खेल खेला जाता है उसके चलते अन्नदाता की स्थिति लगातार बदहाल होती चली जा रही है। यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आये दिन किसानों को इस बात का भरोसा दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है कि खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये प्रयास किये जा रहे है और इसी भरोसे के आधार पर अन्नदाता किसान को न तो सूरज की तेज तपन देखता है और रात की नींद को नजर अंदाज करते हुये अपने खेतों में जुटा रहता है। मगर जब किसानों को खेती के लिये जब जरूरी सामग्री की जरूरत पड़ती है तो वह उपलब्ध नही होने से किसान लगातार टूटते चला जा रहा है। अक्सर देखा जाता है कि जब खेतों में बोनी करने का समय आता है तो एक एक बोरी खाद के लिये किसानों को दिन दिन भर लम्बी लाईनों भूखे प्यासे लगा हुआ देखा जाता और उन्हें खाद नही मिल पाती है तो खाली हाथ जाने के बाद चुपचाप तरीके से फिर दूसरे दिन खाद दुकानों व वितरण केन्द्रो के सामने लग जाता है। वही दूसरी ओर जिस तरह डीजल सहित अन्य खेती संबंधी सामग्री के दामों में बढ़ोत्तरी का सिलसिला चल रहा है उसके कारण महंगाई के बीच किसान अपने खेतों में लगाने वाली लागत को खड़ा कर पाना भी मुश्किल हो जाता है। कहने के लिये तो सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने की बात कही जा रही है। मगर सच्चाई का पता तो किसानों के खेतों पर पहुंचने के बाद ही देखने मिलता है। जहां पर बड़ी मुश्किलों के बीच मात्र चंद घंटे ही बिजली मिलने के कारण किसान अपने खेतों में बोई गई मूंग फसल की सिंचाई तक नही कर पा रहे है। इस समय देखा जा रहा है कि सूरज की तेज तपन के बीच किसान अपने खेतों में लगी हुई मूंग फसल को बचाने में जुटा हुआ देखा जा रहा है। स्थिति इस तरह से देखी जा रही है कि किसानों को निर्धारित समय पर बिजली नही मिलने के कारण वह जब चंद घंटे के लिये लाइ्रन चालू होती है तो भर दोपहरिया में अपनी सिंचाई लाईने बदलते हुये दिखाई देता है। दूसरी ओर किसानों की मूंग फसल में लगातार बढ़ रहे हल्ली के प्रकोप के चलते दिन दिन भर अनेक प्रकार की कीट नाशक दबाईयों का छिड़काव करते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर बिजली लाईनों का रख रखाव नही होने के कारण आये दिन फाल्ट बनने के कारण लाईने बंद हो रही जिसके चलते उन्हें जरूरत के हिसाब से बिजली नही मिल पाने के कारण जहां खेतों में मूंग सूखते हुये नजर आ रही है। अनेक जगहों पर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग के ही कर्मचारियों की मिली भगत के चलते लोगों द्वारा अटल ज्योति योजना के लाईन से कंटी मारकर चलाये जा रहे नलकूपों के कारण लाईनों में फाल्ट होने का परिणाम आम किसानों ी भोगने मजबूर होना पड़ रहा है। इस तरह अटल ज्योति योजना की लाईन से क्षेत्र में अनेक प्रभावशाली लोग विभाग के कर्ताधर्ताओं की मिली भगत से अपने नलकू चलाते हुये देखे जा रहे है। कहने के लिये तो प्रदेश में किसानों की मदद से लेकर फसलों के संबंध में जरूरी जानकारियाँ उपलब्ध कराने के लिये कृषि विभाग बनाया गया है। मगर इस विभाग में बैठे हुये अधिकारी गांवों में जानकारी देने के लिये पहुंचने की बात दूर अपने कार्यालयों में दर्शन भी दुर्लभ होते हुये जान पड़ते है? जबकि नियम के अनुसार हर ब्लाक स्तर से लेकर सेक्टर स्तर पर कृषि अधिकारी नियुक्त रहते है जो समय समय पर किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें फसलों में लगने वाली बीमारियों के बचाव को लेकर किसानों को अवगत कराने की जिम्मेदारी रहती है। मगर इन अधिकारियों का हाल इस तरह का रहता है कि आज तक उनके सेक्टर में शामिल गांवों के दर्शन नही किये गये होगे और अपने दायित्वों का निर्वाहन मात्र कागजों पर करते हुये पूरा करने से नही चूकते है? वही दूसरी ओर किसानों की मदद के लिये केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री सम्मान निधि से लेकर मुख्यमंत्री सम्मान निधि के माध्यम से हर साल किसानों के खेतों में 10 हजार रूपया प्रदान करने की बात कही जा रही है। मगर इस योजना का लाभ लेने के लिये क्षेत्र के किसान लगातार भटकते हुये देखे जा रहे है और यह योजना कागजों पर ही संचालित होते हुये देखी जा रही है। इस तरह लगातार बदहाली का शिकार हो रहे किसानों से जब चर्चा की गई तो क्षेत्र के किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा किसानों को जिस तरह मदद देने का भरोसा तो दिलाया जाता है। मगर वह भरोसा मात्र मंचों से लेकर कागजो तक सीमित रहने के कारण अन्नदाता किसान परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस समय क्षेत्र के किसानों ने गर्मी मौसम की मूंग फसल अपने खेतों में बोई गई है। मगर उन्हें पर्याप्त मात्रा में बिजली नही मिलने कारण वह सूखते चली जा रही है। इसी प्रकार से ग्राम बांसखेड़ा निवासी युवा कृषक महेश गुर्जर पटैल का कहना है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकार द्वारा जिस तरह कहा जाता है कि वह किसानों की मदद के लिये सदा उनके साथ खड़ी है। सही मायने में देखा जावे तो सरकार का यह बादा सिर्फ वाही वाही लूटने तक ही सीमित देखा जा रहा है। क्योंकि वर्तमान समय में क्षेत्र के किसानों को सबसे अधिक अपनी मूंग फसल की सिंचाई करने के लिये बिजली की जरूरत है। सरकार के रिकार्ड में किसानों को 10 घंटे बिजली प्रदान की जा रही है। मगर मुश्किल से चार से पांच घंटे ही बिजली मिलने के कारण हालत यह बनी हुई है कि किसानों की मूंग फसल सूखने की कगार पर पहुंचते हुये देखी जा रही है। इसी प्रकार से ग्राम घघरौला एक कहना है कि लगातार बदहाली का शिकार हो रहे किसानों की खोज खबर लेने वाला कोई नही है और किसानों की हाल इस तरह बन चुकी है कि वह अपने खेतों में फसल को तैयार करने के लिये लगाई जाने वाली लागत भी पूरी नही कर पा रहा है। क्योंकि डीजल सहित अन्य कृषि सामग्री के बढ़ते हुये दामों के हाल किसान लगातार परेशान होते चला जा रहा है। इसी प्रकार से ग्राम महगंवा निवासी राजाराम कौरव का कहना है कि आज सबसे अधिक परेशान सिर्फ देश का किसान देखा जा रहा है। क्योंकि जहां किसानों को एक ओर महंगाई मार रही है तो दूसरी ओर प्रकृति का खेल किसानों को बर्बाद करते हुये देखा जा रहा है। क्षेत्र के किसानों ने बड़ी उम्मीदों से अपने खेतों में गर्मी मौसम की मूंग फसल बोई गई थी। मगर जरूरत के हिसाब से बिजली नही मिलने के कारण खेतों में सूखते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर तैयार होते हुये मूंग फसल में जिस तरह इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लग रहे है उससे किसानों को अपनी फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है।

ओटीसी दवाओं को लेकर केमिस्ट संगठनों ने जताई अपत्ति, रोक लगाने की उठ रही है मांग

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान घर-घर दवा पहुंचने के लिए विशेष अनुमति देकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दवा बिक्री की अनुमति प्रदान की गई थी। लेकिन अब महामारी के समाप्त होने के बाद भी ऑनलाइन कंपनियां इसका दुरुपयोग कर रही हैं। इस संबंध में जिला नरसिंहपुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के सचिव श्रीराम अग्रवाल ने बताया कि ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट (AIOCD) ने OTC दवा सूची को अंतिम रूप देने से पहले हितधारकों से विचार-विमर्श की माँग की; COVID-19 आपातकालीन GSR को तत्काल वापस लेने का पुनः आग्रह भारत भर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट और ड्रगिस्ट का प्रतिनिधित्व करने वाला अखिल भारतीय केमिस्ट और ड्रगिस्ट संगठन (AIOCD) ने स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा जी स्वास्थ्य सचिव , स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक को एक सशक्त ज्ञापन सौंपते हुए ओवर-द-काउंटर (OTC) दवा विनियमन से जुड़े हालिया घटनाक्रमों और COVID-19 के दौरान जारी GSR 220(E) के निरंतर दुरुपयोग पर गंभीर चिंता व्यक्त की जा रही है। AIOCD के अध्यक्ष जे.एस. शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से आग्रह किया है कि OTC दवाओं की प्रस्तावित सूची और उससे संबंधित किसी भी विनियमन को अंतिम रूप देने से पूर्व सभी संबंधित हितधारकों से विस्तृत परामर्श किया जाए। संगठन ने चेताया है कि इस दिशा में जल्दबाज़ी से उठाया गया कोई भी कदम निम्नलिखित गंभीर जोखिमों को जन्म दे सकता है। मौजूदा कानूनों (ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, फार्मेसी एक्ट) का उल्लंघन, औषधियों के अनुचित, अनावश्यक एवं अनियंत्रित उपयोग की आशंका, नकली और निम्न गुणवत्ता की दवाओं का प्रसार, दवा प्रतिरोध, प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएं (ADR) और जनस्वास्थ्य को दीर्घकालिक खतरा संगठन ने साथ ही 26 मार्च 2020 को जारी G.S.R. 220(E) को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की माँग भी दोहराई है, जिसे COVID-19 आपातकाल के दौरान दवाओं की होम डिलीवरी के लिए अस्थायी रूप से जारी किया गया था।

सर्व मंगल व विश्व कल्याण के लिये बसेडिया द्वारा धार्मिक यात्रा में खुशहाली के लिये की गई प्रार्थना

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बैशाख माह की अमावस्या को नगर के समाजसेवी मुकेश द्वारा भगवान परशुराम जी के प्रिय शस्त्र फरसे का पूजन कर सर्व मंगल कामना व विश्व कल्याण के लिये लगातार तीसरे वर्ष तीत्र स्थलों की महायात्रा करते हुये खुशहाली की प्रार्थना की गई । बताया जाता है कि बसेड़िया द्वारा अपनी यात्रा का शुभारंभ मोकामा बिहार प्रांत से किया गया था। इस तरह यात्रा में प्रथम दिवस त्रिवेणी संगम प्रयागराज में त्रिवेणी माँ का पूजन कर वृद्ध व निराश्रित जनो को वस्त्र, मच्छरदानी का वितरण करते हुये आर्शीवाद लिया गया। वही द्वितीय दिवस सुप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बैजनाथ धाम देवघर झारखंड राज्य में भगवान शिवजी का त्रिवेणी जल से अभिषेक कर फरसे व अलंकरण का पूजन किया। वही यात्रा के

अंतिम व तृतीय दिवस चिरंजीव भगवान श्री परशुरामजी की दिव्य तपस्थली मोकामा बिहार में अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुरामजी का पूजन अर्चन कर उन्हें सप्त अलंकरण व फरसा भेंट कर सर्व मंगल व सभी निरोगी रहे कि जनहितार्थ कामना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान बसेड़िया बिहार सरकार के राजकीय उत्सव परशुराम जन्म महोत्सव में अतिथि रूप में शामिल होकर बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, नगर विकास व आवास मंत्री जीवेश कुमार का स्वागत मंच पर किया। इसी क्रम में विधान परिषद सदस्य बिहार के नीरज कुमार ने बसेडिया को मंच पर सम्मानित किया तथा मोकामा के नगर परिषद के अध्यक्ष नीलेश कुमार माधव ने अपने सभी पार्षद गणों के साथ व श्री परशुराम सेवा समिति मोकामा द्वारा भी बसेड़िया को राजकीय प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। ज्ञात हो कि मुकेश बसेडिया प्रति वर्ष अक्षय तृतीया पर सर्व जन सुखाय सर्व जन हिताय के पावन उद्देश्य को लेकर एक यात्रा करते है जिसके तहत प्रथम यात्रा भगवान परशुराम जी की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के जानापाव, द्वितीय यात्रा झारखंड राज्य के फरसास्थल गुमला जिले में टांगीनाथ धाम तथा तृतीय यात्रा बिहार के मोकामा में भगवान परशुराम जी तपस्थली में संपन्न हुई।

नि:शुल्क उपचार शिविर में हुआ 78 मरीजों का उपचार, वितरित की गई

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

समीपसथ ग्राम कान्हरगांव में मानव सेवा समिति के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है को लगातार चरितार्थ करते हुये। हर माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाँव) में निःशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है। इस तरह हर माह के पहले रविवार को आयोजित किय जाने वाले इस आयोजन के चलते बीते हुये रविवार को 69 वें कैम्प का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस निः शुल्क उपचार कैम्प में 3 शहरों सहित लगभग 12 गावों से आये हुये 78 मरीजों ने अपना उपचार करवाते हुये लाभ लिया गया। वही सभी मरीजों को पूर्ण रूप से पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये कागजे के पैकिट में दबाईयों को निः शुल्क वितरण किया गया। लगाये गये इस मेडीकल कैम्प में महिला डां. श्रीमति स्वाती कुरचानिया के आलवा नगर के जाने माने डां. संजय मोदी सहित डां.मनीष महोबिया, शिशु रोक विशेषज्ञ डा. अरूण दोहरे के आलवा सहयोगी के रूप में राहुल गिरी गोस्वामी, बबलू भाई दवाई बालें,, प्रशांत सोनी तथा मानव सेवा समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि गई। वही इस मेडीकल कैम्प में अपनाउपचार कराने के लिये पहुंचे हुये ग्राम दहलबाड़ा, ग्राम घुरपुर, ग्राम धनौरा, ग्राम बरेली, उदयपुरा, रायसेन, देवरी, सूखाखेरी, बगलई,पलोहाबड़ा, बनखेडी, सालेचौका, बैरागढ़ रायपुर, तेदूखेड़ा, छपारा, कठोतिया, दहलबाड़ा, कामती, महगवां कला, कान्हरगाव सहित अनेक गावों के मरीज शामिल थें। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि आयोजित किये जाने वाले इस शिविर में मरीजों को उपचार करने वाले डाक्टरों द्वारा कभी भी किसी मरीज को अपनी क्लिनिक में आने के लिये मजबूर नही किया जाता है। उनका शिविर में ही उपचार करते हुये तुरंत दबाईयाँ मौके पर ही प्रदान की जाती है। क्योंकि अधिकांश जगहों पर देखा जाता है कि उपचार करने के लिये पहुंचने वाले डाक्टरों द्वारा निःशुक्ल शिविर के नाम पर मरीजों को बुलाते हुये उनका परिक्षण करते हुये बाद में अपनी क्लिनिको पर आने की बात कही जाती है। इस तरह सही मायने में देखा जावे तो निःशुल्क शिविरों का नाम देते हुये डाक्टरों द्वारा अपनी क्लिनिकों के लिये नये मरीज तैयार किये जाते है। सत्य सांई सेवा समिति द्वारा हर माह आयोजित किये जाने वाले शिविर में किसी भी डाक्टर द्वारा किसी मरीज को उसकी बीमारी का भय दिखाते हुये अपनी दुकान पर आने की बात नही कही जाती है। मौजूद रहने वाले सभी डाक्टरों द्वारा पूर्ण निःस्वार्थ वाहनों व मानव सेवा की सोच के चलते मरीजों का उपचार किया जाता है।

नगर पालिका परिषद की नाक के नीचे बदहाली का शिकार होती चली जा रही पानी टंकी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर स्थानीय नगर पालिका प्रशासन द्वारा अपनी संपत्ति को लेकर जिस प्रकार की उदासीनता बरती जा रही है उसका शायद ही इससे बड़ा कोई दूसरा उदाहरण देखने नही मिल पायेगा..? जहां एक ओर नगर पालिका प्रशासन द्वारा शहर में अनेक काम्पलेक्सों का निर्माण कराते हुये उन्हें महानगरों की तर्ज पर बनाया जा रहा है। मगर दूसरी ओर नगर पालिका की पुरानी संपत्ति यानि की धरोहर को जिस तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है वह लगातार बदहाली का शिकार होने से नही बच पा रही है। क्योंकि ठीक नगर पालिका कार्यालय के पास वर्षो पुरानी बनी हुई शहर की सबसे बड़ी पानी टंकी इस प्रकार से बदहाली का शिकायत होते हुये देखी जा

रही है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि नगर पालिका द्वारा चलाये जाने वाली स्वच्छता सर्वेक्षण मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रहने वाला हो गया है। क्योंकि इस टंकी के पास चारो ओर जहां गंदगी का आलम तो देखने मिल ही रहा है तो दूसरी ओर शहर की सबसे बड़ी पानी टंकी के नाम से प्रसिद्ध यह टंकी का हाल इस तरह का बना हुआ है कि शायद इसके निर्माण से लेकर आज तक नगर पालिका द्वारा इसकी पुताई कराना भी उचित नही समझा गया है। मगर इसके बाद भी यह टंकी अपने आस्तित्व को बचाने के लिये खड़ी रहते हुये जहां नगरवासियों के प्यासे कंठो को प्यासे बुझाने में लगी है। यदि बदहाली स्थिति में पहुंच रही इस टंकी की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर पालिका प्रशासन द्वारा इसका सही रूप से रख रखाब नही किये जाने के कारण टंकी की अनेक जगहों से छपाई गिरते हुये देखी जाने लगी है तो दूसरी ओर टंकी की संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे देखने मिल रही है।

आम सूचना

मेरे पक्षकार शशिकांत कौरव आत्मज श्री दयाचंद कौरव निवासी ग्राम झांझनखेड़ा, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर के स्वामित्व की भूमि मौजा झांझनखेड़ा, प.ह.नं. 96, तहसील गाडरवारा स्थित भूमि ख. नं. 149/1, 149/2 कुल रकवा 2.552 हे. के संबंध में मामला अतिरिक्त कमिश्नर जबलपुर के समक्ष अपील प्रकरण क्रं. 1226 वर्ष 2024-25 चल रहा है, जिसमें उक्त भूमि के क्रय-विक्रय पर स्थगन आदेश दिनांक 10/01/2025 को पारित किया गया है। उक्त भूमि को प्रहलाद कौरव आत्मज नारायण कौरव निवासी झांझनखेड़ा एवं उनकी पुत्री सुनीता पत्नि संजय कौरव निवासी लिलवानी विक्रय करने की फिराक में है । सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त खसरा नं. की भूमियों को किसी व्यक्ति, संस्था निकाय द्वारा क्रय किया जाता है तो उसकी जिम्मेदारी उक्त सस्था, अथवा निकाय की होगी । लिहाजा सूचना चानिए

गोपाल मेहरा
अधिवक्ता सिविल कोर्ट
गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)
मोबा. नं. - 9302923356

ग्राम कौड़िया में दो साल पहले सड़क किनारे से हटाया अतिक्रमण नजर आने लगा जहां के तहां..?

हरिभूमि न्यूज/कौंडिया। जहां एक ओर संपूर्ण क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या के चलते सड़कों पर धमा चौकड़ी मची रही है। वही दूसरी ओर लोडिंग वाहनो की धमाचौकडी से ग्राम के अंदर से निकले मुख्य रास्तों पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय ग्राम कौड़िया में देखने मिल रही है। ज्ञात हो कि गाडरवारा करेली मुख्य मार्ग जो राष्ट्रीय स्तर का सड़क मार्ग में होने के कारण इस मार्ग पर प्रतिदिनि वाहनों को दवाब होने के कारण दिन भर सडक पर वेखौप दौडतें वाहनों से छोटे बडे जानलेबा गंभीर दुर्घटनाए भी होते हुए देखी जाती है। वही दूसरी ओर यहां पर जगह के अभाव में सडक परिवहन करते समय ग्राम के मुख्य रास्तो पर वाहनो की लंबी लगने वाली लाईनों के चलते जाम की स्थिति बनते हुए देखी जाती है। वही दूसरी ओर वाहन मालिको द्वारा भी सडको पर वाहनो को बेतरतीब तरीके से खडे कर दिया जाता है और अक्सर देखा जाता है कि लोगों द्वारा अपने भवनों के लिए लाई जाने वाली निर्माण सामग्री को भी इस मुख्य मार्ग के किनारे ही रख दिया जाता है जिसके चलते यातायात को प्रभावित कर जाम की स्थिति बना देते है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो चाय पान के ढेलो दुकानो पर छोटे वाहन चालको द्वारा सड़क पर ही अपने वाहन खडे कर चाय पान में मग्न हो जाते है। बाकी कसर आटो सहित अन्य वाहन वालो द्वारा पूरी कर दी

जाती है जो बीच सडक पर अपने वाहनो को खड़ा करके सवारियों का इंतजार करते है। इसी के चलते यहां से निकलने वाले लोगों की जान को सदा ही खतरा बना रहता है? वही दूसरी ओर यहां पर यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो लोगों ने जहां अपने घरों की ओंटा टिपटी मुख्य मार्ग से लगाकर बना लिये गये तो दूसरी ओर दुकानदार भी अपनी दुकानों को सड़क पर रखते हुये अतिक्रमण करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। इस तरह मुख्य मार्ग पर लगातार बढ़ रही अतिक्रमण व जाम की स्थिति को ध्यान में रखते हुये लगभग दो साल पहले प्रशासन द्वारा यहां पर अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाते हुये सड़क किनारे लगी हुई दुकानों को हटाया गया था। जिससे स्थिति में काफी सुधार देखने मिला था। मगर शासन प्रशासन की अनदेखी के चलते वह दुकाने फिर जहां की तहां नजर आने से नही चूकरही है। इस तरह ग्राम के बीचों से निकले मुख्यमार्गो को लेकर ग्रामवासियों द्वारा शासन प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा है कि यदि ग्राम के बाहर से वायपास मार्ग का निर्माण हो जाता है कि इस समस्या से जहां निजात मिल सकती है। वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी भी खतरे से मुक्त हो जावेगी। क्योंकि जहां मुख्य मार्ग से प्राथमिक स्कूल से लेकर हाई स्कूल लगा हुआ है। वही ग्राम के अनेक बैको सहित पोस्ट आफिस भी सड़क के किनारे होने के कारण सड़क पर दिन भर भीड़ भाड़ की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात हो चुकी है। जबकि पूर्व में यहां पर घटित हुई अनेक सड़क घटनाओं में लोगों की जाने भी जा चुकी है मगर इसके बाद भी प्रशासन की उदासीनता आमजन के लिये समझ से परे होती चली जा रही है? ग्राम के अंदर आये दिन निर्मित होने वाली इस स्थिति को लेकर लोगों द्वारा ग्राम कौड़यिा के बाहर से वायपास मार्ग निर्माण की मांग की जाने लगी है जिससे लोगों के यातायात में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
नर्सरी से कक्षा सातवी तक
DPIS
प्रवेश निःशुल्क
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob.-9039230199, 7224021199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

शिवाजी इंटरनेशनल स्कूल
ADMISSION OPEN
ENGLISH MEDIUM | Class - Play group to 10th
व्यवस्थित प्लेग्राउंड एवं एक्टिविटी क्लासेस, सुरक्षित वाहन सुविधा
Do Visit Once Before Getting Your Child Admitted
सांस्कृतिक परिवेश में सुघड़ व आधुनिक अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा
+Abacus Classes
for all students
WITH CBSE PATTERN
100% Digital Smart Classes
With Smart Teachers
निरंजन वार्ड, आचार्य महल के पास, गाडरवारा जि.नरसिंहपुर मो. 9977414248

खबर संक्षेप

गंगा सप्तमी पर हजारों श्रद्धालुओं ने नर्मदा नदी में लगाई आस्था की डुबकी

अमरकंटक। पवित्र वैशाख माह के शुक्ल पक्ष सप्तमी तिथि गंगा सप्तमी के पावन पुण्य अवसर पर हजारों भक्त श्रद्धालुओं ने पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा नदी के रामघाट उत्तर एवं दक्षिण तट पुष्कर बांध कपिला संगम आरंडी संगम में हजारों भक्त श्रद्धालुओं ने तीर्थ यात्रियों ने आस्था की पुण्य डुबकी लगाई अपने को कृतार्थ किया। भक्त श्रद्धालुओं के द्वारा सुबह से ही स्नान ध्यान डुबकी लगाई जाने का क्रम शुरू हो गया है जो समाचार लिखे जाने तक निरंतर चल रहा है। भक्त श्रद्धालु तीर्थयात्री गण पतित पावनी मां नर्मदा जी के उद्गम स्थल मंदिर में लाइन लगाकर दर्शन पूजन अर्चन कर रहे हैं नर्मदा मंदिर में दर्शन करने वालों की तादाद हजारों की है उस हिसाब से सुरक्षा बल न होने के चलते भक्त श्रद्धालु गणों थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नर्मदा मंदिर प्रशासन द्वारा समय-समय पर उद्घोषणा कर जानकारी दी जा रही है। दोपहर 12: तक लगभग 50 हजार से भी अधिक भक्त श्रद्धालुओं ने स्नान डुबकी लगा कर पूजन अर्चन दर्शन कर लिया है।

लगातार 200 दिन विद्युत उत्पादन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई सम्मानित

चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की इकाई क्रमांक 5 ने 1.10.2024 से 18 4.2025 तक लगातार 200 दिन विद्युत उत्पादन करते हुए उत्कृष्ट एवं सराहनीय प्रदर्शन किया है। इस दौरान इकाई ने 99.78 परसेंट पी ए एफ, 98.09 प्रतिशत पी एल एफ एवं 8.98% ऑक्सिलरी खपत कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने के उपलक्ष में मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के निदेशक (वाणिज्य) मिलिंद भान्दक्कर ने हर्ष व्यक्त करते हुए ताप विद्युत गृह के अभियंताओं एवं तकनीकी कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया। 660 मेगावाट इकाई के कार्यों का अवलोकन मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के निदेशक (वाणिज्य) मिलिंदभान्दक्कर ने विद्युत गृह चचाई के मुख्य अभियंता तनवीर अहमद, मुख्य अभियंता सिविल पी सी निवारे एवं मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता एस सी घोष के साथ चचाई में स्थापित होने वाली 660 मेगावाट क्षमता की सुपरक्रिटिकल इकाई के 33 केवी स्विच यार्ड 220 केवी एवं ईसीआर बिल्डिंग के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए अभियंताओं एवं ठेकेदारों को समय सीमा में कार्य पूरा करने हेतु निर्देशित किया।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री आयेंगी अमरकंटक

अनूपपुर। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर 05 मई को शाम 5 बजे मण्डला जिले से अमरकंटक के लिए प्रस्थान करेंगी एवं रात्रि 9 बजे सर्किट हाऊस अमरकंटक पहुंचेंगी व अमरकंटक में रात्रि विश्राम करेंगी। अमरकंटक में 06 मई को प्रातः 8 बजे मां नर्मदा मंदिर में पूजन करेंगी। दोपहर 12 बजे अमरकंटक से सर्किट हाऊस सतना, जिला सतना के लिए प्रस्थान करेंगी तथा शाम 6 बजे सर्किट हाऊस सतना पहुंचेंगी।

अनूपपुर प्लांट में लगभग 275 स्थानीय युवाओं की नियुक्ति

अनूपपुर। एमबी पावर (मध्यप्रदेश) लिमिटेड ने जैतहरी तहसील स्थित लहरपुर गांव में स्थित अपने पावर प्लांट के आसपास के गांवों से लगभग 275 युवाओं को रोजगार देकर स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। यह नियुक्तियां विभिन्न विभागों में की गई हैं, जिनमें अकुशल श्रमिकों से लेकर आईटीआई पास तकनीशियन, स्नातक और परास्नातक डिग्री धारकों तक को शामिल किया गया है। इस विविधता से कंपनी की मजबूत स्थानीय मानव संसाधन संरचना तैयार करने की प्रतिबद्धता झलकती है।प्रत्यक्ष नियुक्तियों के साथ ही कंपनी ने कई स्थानीय विक्रेताओं और ठेकेदारों के साथ भी साझेदारी की है।

मृतिका के परिजनों ने मचाया हंगामा, पति पर लगाया हत्या का आरोप

भाजपा नेता की पत्नि का फांसी के फंदे में मिला शव

डिण्डौरी

कोतवाली थाना अंतर्गत पुरानी डिण्डौरी के अमरकंटक रोड़ में स्थित एक किराये के मकान में भाजपा नेता की पत्नि का शव फांसी के फंदे में लटका मिला । जानकारी लगने के बाद मृतिका के परिजन सहित अन्य रिष्तेदारों की भीड़ जमा हो गई और भाजपा नेता दषरथ राठौर पर पांच लाख रूपये की मांग करने का आरोप लगाया , रूपये नही देने पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया । हालाकि सूचना के बाद मौके पर प्रशासन और पुलिस पहुंची और मोर्चा सम्हाला इस दौरान जमा भीड़ ने दुकान के सामने दषरथ राठौर की खडी कार में भी तोड़ फोड़ किया है। जिस कमरे में महिला को शव मिला उस कमरे के सील कर दिया और रविवार सुबह कमरे का ताला खोला गया तब पंचनामा की कार्यवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया । जहां मृतिका के परिजनों ने जमकर हंगामा मचाया और उसके पति दषरथ राठौर पर तरह तरह के आरोप लगाये जाते रहे । उत्तेजित भीड़ कोतवाली भी पहुंची लेकिन मुख्य द्वार में मुस्तैद पुलिस ने भीतर नही जाने दिया और हंगामा करने पहुंचे लोगों को खदेड़कर भगा दिया । इस दौरान पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह भी जिला अस्पताल पहुंची और हंगामा कर रहे परिजन सहित अन्य रिष्तेदारों को समझाईष देने के साथ नसीहत भी दी। जिसके बाद हंगामा कर रहे लोग शांत हुए ।

परिजनो ने लगाया मारपीट करने का आरोप-

जानकारी के अनुसार भाजपा पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष दषरथ राठौर की शादी तीन साल पहले समनापुर थाना क्षेत्र के देवलपुर गांव की रहने वाली संगीता से हुई थी। दषरथ कोतवाली थाना क्षेत्र के सरहरी बिछिया का रहने वाला है। और वह डिण्डौरी नगर के अमरकंटक रोड़ स्थित वार्ड क्रमांक 12 में प्रिंटिग प्रेस की दुकान का संचालन करता है। साथ ही मूर्तिकार भी है प्रिंटिंग प्रेस दुकान संचालन में पत्नि संगीता भी मदद करती थी। मृतिका संगीता के माता पिता ने आरोप लगाया कि दामाद उनकी पुत्री के साथ मारपीट करता था जिससे परेषान होकर पुत्री एक बार मायके भी आ गई थी तब समझाईष के बाद दोबारा वह दामाद के साथ रहने लगी थी । लेकिन दामाद आये दिन परेषान करने के साथ मारपीट करता था ।

फांसी के फंदे पर लटकी मिला पत्नि का शव-

पुलिस को दी गई सूचना में दषरथ सिंह राठौर ने बतलाया कि मै अपनी पत्नि संगीता राठौर के साथ कृष्णकुमार चंदेल के मकान में किराये से रहता हूॅ। किराये के मकान में मेरे और पत्नि के परिवार के लोग आते जाते रहते है। शनिवार को दोपहर लगभग 1 बजे खाना खाने के बाद अपने मित्रों के पास जबलपुर बस स्टैड डिण्डौरी चला गया था । इस दौरान पत्नि घर पर थी शाम लगभग 7.30 बजे जब घर पहुंचा तो मकान का दरवाजा अंदर से बंद था मैने पत्नि को आवाज लगाया लेकिन कोई जबाव नही आया तब सामने का दरवाजा खटखटाया नही खुला तब बाहर से खिड़की से झांककर देखा तो कमरे में सीलिंग में लगे हुक्क में भगवा रंग के साफा से फांसी लगाकर लटकी हुई थी ,इसके बाद खिड़की में जोर का धक्का मारने से खिड़की का कुन्दा खुल गया और अंदर जाकर पलंग में खडे होकर पत्नि के गले में लगा फंदा काटा और पत्नि को फंदा सहित फर्ष पर रखकर देखा तो उसकी मृत्यु हो चुकी थी। जिसके बाद मेरे रोने पर आवाज सुनकर मकान मालिक व आसपास के किरायेदार पहुंच गये । घटना की जानकारी पत्नि के परिजनों को फोन से देकर पुलिस में रिर्पोट करने कोतवाली पहुंचा था।

महिला के परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप-

इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और चर्चाओं का बाजार गर्म रहा वहीं मृतिका के परिजनों ने जमकर हंगामा शुरू कर दिया । रविवार सुबह से ही बड़ी तादात में लोगों की भीड़ मकान के सामने जमा होने लगी और सूचना मिलने के बाद परिजन भी पहुंचने लगे। भीड़ जमा होने के कारण अमरकंटक मार्ग में जाम जैसी स्थिति बन गई और परिजन हंगामा करने के साथ दषरथ राठौर पर हत्या करने का आरोप लगाते रहे। तैनात पुलिस अमला मौजूद लोगों को समझाईष देता रहा । बामुष्किल पुलिस ने महिला के शव को पीएम के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया ।

आदर्श ग्राम के बैगा आबादी वाले अस्पताल में नहीं हो रहा महिलाओं का प्रसव

डिण्डौरी। बैगा चक के ग्राम चांडा को आदर्श ग्राम की उपाधि से नवाज तो दिया गया है लेकिन यहां के ग्रामीणों को इस हिसाब से सुविधाएं नहीं मिल पा रही है । बैगा आदिवासीयों और अन्य ग्रामीणों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं धरातल पर नदारत दिखाई दे रही है। ग्रामीणों की माने तो यहां जब से प्राथमिक स्वास्थ्यकेंद्र की स्थापना हुई है तब से हमेशा से ही किसी न किसी वजह से स्वास्थ्य सुविधाओं का टोटा बना ही रहा है अस्पताल होने के बावजूद भी यहां के ग्रामीणों को कही दूर बाहर के अस्पताल या नीम हकीमों से इलाज कराने के लिए निर्भर रहना पड़ता है । जबकि चांडा ग्राम और आसपास के क्षेत्र में ज्यादातर विशेष संरक्षित जनजाति बैगा समुदाय के ग्रामीण निवास करते है और सरकार इनके स्वास्थ्य एवं विकास के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराने का दावा भी करती है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जैसी जरूरी सेवाओ की कमी के कारण आज भी इस क्षेत्र के लोगों को सही इलाज नहीं मिल पा रहा है और लोगों को इलाज कराने यहां वहां भटकना पड़ रहा है वनग्राम चांडॉ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आज भी यह हालात है कि यहां प्रसव के दौरान महिलाओं की डिलेवरी कराने के लिए नर्सिंग स्टॉफ उपलब्ध नहीं है नर्सिंग ऑफिसर का पद कई महीनों से खाली पड़ा हुआ है ऐसे में गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा होने पर तत्काल सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाती ।और उन्हें प्रसव कराने बाहर किसी दूसरे स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ता है नर्सिंग ऑफिसर नहीं होने की पर ज्यादातर मामलों में गर्भवती महिलाओं के परिजन डिलेवरी टाइम में महिला को यहां के अस्पताल न ले जाकर घर से सीधे बाहर के अस्पताल ले जाते है।चार विस्तरीय चांडा अस्पताल में फार्मासिस्ट,नर्सिंग ऑफिसर और ए एन एम के पद अभी भी खाली है।यहां एक चिकित्सक उपलब्ध है पर वह भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित सेवाएं नहीं दे पा रहे है उनकी सेवाएं सिर्फ चार दिवस ही ग्रामीणों को मिल पाती है डॉक्टर के न रहने पर यहां एक टेक्नीशियन, और एक वार्डबॉय के भरोसे अस्पताल चल रहा है जो यहां आने वाले मरीजों को सिर्फ दवाइयां देने का कार्य करते है । लोगों को इलाज के नाम पर मामूली सुविधाएं ही प्राप्त हो पाती है । हालाकि इस बात की जानकारी विगत दिनों ग्रामीणों द्वारा चांडॉ प्रवास के दरमियान जिला कलेक्टर को दी गई है, और डॉक्टर के नियमित रहने की मांग की गई है । चिकित्सीय अमले की कमी के कारण प्राथमिक स्वास्थकेंद्र में आने वाले मरीजों की संख्या घटी है ज्यादातर लोग बाहर ही इलाज कराना पसंद कर रहे है ।वनग्राम चांडॉ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हमेशा से ही स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी रही है । अस्पताल में गंभीर मरीजों को बाहर ले जाने के लिए तत्काल वाहन भी उपलब्ध नहीं है । इस केंद्र में स्वास्थ्य कर्मचारियों के पद आज भी रिक्त पड़े हुए है।जिसके कारण मरीजों को पर्याप्त उपचार नहीं मिल पाता ।ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र का दुर्भाग्य ही माने कि अत्यंत पिछड़ा इलाका होने के कारण यहां बाहर से सेवा देने आए चिकित्सक भी यहां रहने से कतराते है, कई डॉक्टर आए और बिना नियमित सेवा दिए ही चले गए।जनवरी माह में एक महिला डॉक्टर के चले जाने के बाद स्वास्थ्य केंद्र में दो महीने डॉक्टर का पद खाली रहा है हालांकि अभी एक महीने पहले ही स्वास्थ्य केंद्र में नए चिकित्सक ने अपनी सेवाएं देना शुरू कर दी है लेकिन बताया जाता है उन्हें भी सप्ताह में दो दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेवा प्रदाय करने बजाग बुला लिया जाता है

स्थाई एवं विषयवार शिक्षकों की नियुक्ति की मांग

डिण्डौरी। विकासखंड शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलगांव में संचालित पीएमश्री एकीकृत हाई स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति करने संबंधी विगत दिन ग्राम पंचायत के उपसरपंच ने कलेक्टर कार्यालय में एक आवेदन दिया है । उपसरपंच ने आवेदन में लेख किया है, कि संचालित हाई स्कूल में स्थाई शिक्षकों की कमी होने के कारण बच्चों की पढाई सही तरीके से नहीं हो पा रही है, यह भी उल्लेख किया है, कि स्कूल में विषयवार शिक्षकों की भी कमी है, जिससे बच्चों के पढाई प्रभावित है । इस बावद ग्राम पंचायत ने भी प्रस्ताव पारित कर जिला शिक्षा अधिकारी और कलेक्टर कार्यालय को आवेदन प्रेषित किया है । ग्रामीणों समेत उपसरपंच ने मांग की है, कि सत्र 2025-26 शुरू होने से पहले शिक्षकों की नियुक्ति की जाये

बीएड के छात्र ने की छात्रवृति भुगतान की मांग

डिंडौरी। बीएड के एक छात्र ने वर्ष 2021 - 22 की स्कॉलरशिप छात्रवृत्ति दिलाये जाने के संबंध में आवेदन कलेक्टर कार्यालय में दिया है। आवेदन में जगदीश प्रसाद महोबे पिता स्व० गोधन लाल महोबे निवासी वार्ड क्रमांक 15 बिरसा मुण्डा नगर पुरानी डिंडोरी ने लेख किया कि मैं ज्ञानेश्वरी शिक्षा महाविद्यालय धमनगांव में वर्ष 2021 - 22 में बीएड द्वितीय वर्ष का नियमित छात्र था । मुझे अब तक वर्ष 2021 - 22 का स्कॉलरशिप छात्रवृत्ति का भुगतान नही हुआ है । मैं अपने बीएड की पढ़ाई हेतु अन्य लोगों से कर्ज व ब्याज में पैसा लिया था और अपनी पढाई पूरा किया हूँ। आवेदक ने छात्रवृत्ति का भुगतान कराये जाने की मांग कलेक्टर से की है।

नगर में चार स्थानों में किया गया वाटर फिल्टर स्थापित

डिंडौरी। जिला मुख्यालय में राज्य परिवहन बस स्टैंड सहित चार स्थान पर वाटर फिल्टर कूलर का शुभारंभ शनिवार को किया गया। कलेक्टर नेहा मारव्या ओर नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सरस सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा फीता काटकर वाटर कूलर का शुभारंभ किया गया। शहर के राज्य परिवहन बस स्टैंड सहित सब्जी मंडी प्रांगण, मंडला बस स्टैंड पुरानी डिंडौरी व कंपनी चैक पुरानी डिंडौरी में वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं। सार्वजनिक स्थानों पर वाटर कूलर लगाए जाने से अब लोगों को गर्मी सहित अन्य दिनों में भी पीने का पानी मिल सकेगा। इस मौके पर कलेक्टर ने बताया कि शहर में लोगों द्वारा शुद्ध पानी की उपलब्धता और शौचालय की मांग की जा रही थी। आम जनता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शनिवार को नगर परिषद डिंडौरी द्वारा शहर में अलग-अलग स्थान पर शुद्ध पानी उपलब्ध कराने लिए वाटर कूलर लगाए गए हैं। वाटर कूलर लगने से आम लोगों को शुद्ध ठंडा पानी मिलेगा। सभी वाटर फिल्टर 24 घंटे चालू रहेंगे।

सुविधाघर का किया जा रहा है निर्माण-

नगर परिषद अधिकारी को कलेक्टर ने निर्देश दिए गए कि सभी वाटर कूलर की देखरेख और मेंटेनेंस बनाए रखना है ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो सके। नगर परिषद अधिकारी अमित तिवारी ने बताया कि शहर में जगह-जगह सौंदर्यीकरण और ओपन जिम मशीन लगाई जा रही हैं। शहर के बीचो-बीच मार्केट में व्यापारियों की मांग पर शौचालय बनाया जा रहा है ताकि शहर के बीच मार्केट में आने वाले ग्राहकों को सुविधा का लाभमिल सके। इस मौके पर नगर परिषद उपाध्यक्ष सारिका नायक, पार्षद रितेश जैन, रजनीश राय, ज्योतिरादित्य भलावी, जनसंपर्क विभाग से चेतराम अहिरवार, नगर परिषद से अशोक दीक्षित, अशोक चैकसे आशीष कोरी, प्रदीप रजक, श्वेता तिवारी, तपस्या दुबे, अशोक सोनी, दीप्ति गौतम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंधी तूफान बारिस के साथ हुई ओला वृष्टि

बेमौसम बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज, फसलों को नुकसान की आशंका

डिंडौरी। जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत गोरखपुर में शनिवार को दोपहर के बाद अचानक मौसम में आये बदलाव से आंधी तूफान और मूसलाधार बारिश के साथ दस मिनट तक चने के आकार के ओले गिरे, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वहीं बिगड़ैल मौसम का प्रतिकूल प्रभाव फलदार पेड़ आम व पपीता तथा टमाटर लौकी प्याज सहित अन्य सब्जियों पर पड़ा है।ै गौरतलब हैं कि खराब मौसम ने सब्जी उत्पादकों किसानों की चिंता बढ़ा दिया है क्योंकि वर्तमान में बहुत सी सब्जियां टमाटर लौकी प्याज बैंगन मेथी पालक पकने की कगार पर है इनके फल व ठंडल तथा बेल को नुक्सान होने की संभावना जताई गई है। किसान टमाटर में कीट प्रकोप बढ़ने की आशंका से डरे हैं जबकि आम के पेड़ में लगें बौर पूरी तरह से झड़ कर जमीन पर गिरे पड़े हैं महुआ के फल का भी हाल यही हैं कुल मिलाकर बेमौसम बारिश के चलते समान्य जीवन प्रभावित है। जबकि मांगलिक कार्य शादी विवाह के आयोजनों को लेकर

भी लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं ।एक सप्ताह से मौसम में आये बदलाव से व्यापार जगत को भी नुकसान पहुंच रहा व्यवसायियों का मानना है कि अभी शादी विवाह का सीजन चल रहा हैं ऐसे मौके पर अच्छी ग्राहकी रहती हैं लेकिन जब से मौसम खराब हुआ हैं कारोबार बुरी तरह प्रभावित हैं।

ओलावृष्टि से किसानों को नुकसान-

शनिवार को बेमौसम बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से ग्रामीण और जंगली इलाकों में महुआ के फूल और फल बारिश से झड़ गये वहीं आम व महुआ उत्पादको को नुकसान पहुंचा हैं। जबकि सब्जी उत्पादक किसानों के लिए यह बिगड़ैल मौसम आफत बन गया हैं किसानों के सामने संकट खड़ा कर दिया क्योंकि टमाटर बैंगन मेथी पालक धनिया लौकी आदि की फसलें अंकुरित हैं तो कहीं वृद्धि पर हैं दोनों स्थितियों में फसलों को नुकसान की संभावना बताया जा रहा । इससे सब्जियों के फसल पर प्रतिकूल प्रभाव हैं, खासकर ओला की मार से तैयार फसलें चैपट होने के कगार पर हैं ।किसान दीपक तेकाम ने बताया कि आंधी से लौकी की बेल अस्त व्यस्त हैं, जबकि पालक और बरबटी की फसलें झड़ गई । यही हाल भिंडी, धनिया,और मुनगा, की फसल का हैं। ओलावृष्टि वाले क्षेत्रों में सब्जी सहित सर्वाधिक नुकसान आम , पपीता,और केले के फलों को भी बताया जा रहा हैं।

तापमान में आई गिरावट-

एक सप्ताह से अंचल के अलग अलग हिस्सों में हो रही बारिश और ओलावृष्टि के असर से फिलहाल फिजा में ठंडक घुल गई हैं माना जा रहा हैं कि मई माह में चलने वाली लू की बजाए लोगों को ठंड का अहसास हो रहा हैं ऐसे में आमजन गर्मी से राहत महसूस कर रहे हैं लेकिन जानकार बताते हैं कि इस प्रकार के मौसम से स्वास्थ्य पर विपरीत असर होता हैं। वहीं खराब मौसम के चलते बिजली गुल है खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग ब्लैक आउट जैसी स्थिति बन गई , आमजन विघुत सप्लाई बंद होने से परेशान दिखें।

अतिथि शिक्षकों की सेवाएं जारी रखने की मांग

डिंडौरी। अतिथि शिक्षकों की सेवाएं नए शैक्षणिक सत्र में अप्रैल माह के बाद मई और जून में नहीं ली जा रही हैं, जिससे अतिथि शिक्षक परेशान हैं। अतिथि शिक्षकों की सेवाएं जारी रखने की मांग अतिथि शिक्षक संघ द्वारा की गई है। संघ के जिला अध्यक्ष इमरान मलिक ने कहा कि 2 सितंबर 2023 को प्रदेश सरकार ने महापंचायत में अतिथि शिक्षकों के लिए तीन बड़े वादे किए थे। पहला वादा बढ़ा हुआ मानदेय देना था, जो पूरा किया गया, लेकिन वार्षिक अनुबंध और विभागीय परीक्षा लेकर नियमितीकरण के फैसले का अभी तक अमल नहीं हुआ है। संघ द्वारा मुख्यमंत्री यादव से मांग की गई है कि अतिथि शिक्षकों की सेवाएं जारी रखने के लिए सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

खबर संक्षेप

चौरसिया परिवार में शोक

गोटेगांव। नगर के समीपी ग्राम मेख निवासी मनोज चौरसिया,एवं दिलीप चौरसिया की पूज्यनीय माता श्रीमती द्रोपती चौरसिया विगत दिवस 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया।आप सहज,सरल और मिलनसारिता की प्रकाश पुंज थीं।एवं धार्मिक आयोजनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वाली धर्म परायण महिला थी।आपके निधन की खबर से समूचे ग्राम में शोक व्याप्त हो गया। स्व.श्रीमति द्रोपदी चौरसिया की अंतिम यात्रा उनके निज निवास से स्थानीय मुक्तिधाम ले जाई गई जहां पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम।यात्रा में सभी वर्गों के लोगों ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को दो मिनिट का मौन धारण कर अपनी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मुक्तानंद संस्कृत विद्यालय की परीक्षाएं प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस मुक्तानंद संस्कृत विद्यालय में मध्यमा एवं उत्तर मध्यमा की परीक्षाऐं सुचारू रुप से संचालित है वर्तमान में 19 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित होकर सनातन संस्कृति एवं कर्मकाण्ड वैदिक विधा को समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन में सहयोगी सावित होंगे, संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य वलराम शास्त्री ने बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की है।

नरसिंह जयंती पर होंगे विविध आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

भगवान श्री नरसिंह का प्रकट उत्सव हर्षोल्लास के साथ विविध कार्यक्रमों के बीच मनाया जायेगा। इसे लेकर व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। भगवान श्री नृसिंह प्रकटोत्सव को नरसिंह गौरव दिवस के रूप में मनाया जायेगा और 9, 10 एवं 11 मई को तीन दिवसीय आयोजन रहेगा। जिसमें 11 मई को भगवान श्री नरसिंह की जयंती रहेगी। इस संबंध में जाट युवा मोर्चा ने बताया कि तैयारियों के संबंध में नरसिंह मंदिर परिसर में विभिन्न संगठनों, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई जिसमें निर्णय लिया गया कि जिले के सभी संगठन, सकल हिन्दू समाज मिलकर जयंती मनायेंगे। जिसमें कार्यक्रमों के तहत 9 मई को प्रातरू 5:30 बजे से रामधुन मंडलियों की सामूहिक प्रभात फेरी, प्रातरू 8 बजे से स्वच्छता कार्यक्रम, प्रात 10 बजे से खेलकूद प्रतियोगिताएं पतंग उत्सव चर्च ग्राउंड पर, शाम 4 बजे खो-खो प्रतियोगिता ऑफिसर्स क्लब खो-खो ग्राउंड, शाम 4 व्हालीबाल, कबड्डी उत्कृष्ट विद्यालय स्टेडियम, शाम 4 बजे ही बेडमिंटन स्टेडियम बेडमिंटन हॉल, शाम 5 बजे से एथाऐटिक्स दौड़ प्रतियोगिता स्टेडियम ग्राउंड एवं 10 मई को 5:30 सामूहिक प्रभात फेरी नरसिंह मंदिर से प्रात 8 बजे स्वच्छता कार्यक्रम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में, प्रात 10 बजे जूडो प्रतियोगिता असेम्बली हॉल, शाम 4 बजे से स्टेडियम बेटमिंटन हॉल, शाम 5 बजे एथाऐटिक्स दौड़ प्रतियोगिता स्टेडियम ग्राउंड, शाम 7:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम नरसिंह मंदिर तालाब परिसर एवं अंतिम जयंती के दिन 11 मई को प्रात 5:30 बजे से रामधुन मंडलियों की सामूहिक प्रभात फेरी विभिन्न मंदिरों से प्रात 8 बजे से भगवान नरसिंह का अभिषेक, पूजन नरसिह मंदिर में दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक नरसिंह मंदिर परिसर में भंडारा, शाम 4 बजे से नरसिह मंदिर से वाहन रैली, शाम 6 बजे एक दीप भगवान नरसिंह के नाम नरसिह मंदिर परिसर में शाम 6:30 बजे भगवान श्री नरसिंह का प्रकटेत्सव महाआरती प्रसाद वितरण एवं रात 8 बजे भजन-गायक जयसिंह राजा द्वारा भजन संध्या में प्रस्तुति दी जायेगी। जाट युवा मोर्चा, श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट एवं श्री मित्र गणेश मंडल ने बताया कि उक्त आयोजन सकल हिन्दू समाज द्वारा मनाया जायेगा। सकल हिन्दू समाज ने सभी से आयोजन में सहभागिता देने की अपील की है और कहा है कि भगवान श्री नरसिंह मंदिर से हम सबकी पहचान है जरूरत है कि जिले के समस्त स्वयंसेवी, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक संगठन इसमें सक्रिय सहभागिता प्रदान करें।

नरवाई प्रबंधन में मददगार साबित हो रही सुपर सीडर ड्रिल मशीन

कृषक सुपर सीडर ड्रिल मशीन से कमा रहे मुनाफा

समय के पहले कर लेते हैं बोनी

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर

सरकार द्वारा नरवाई जलाने को लेकर किसानों को निरंतर जागरूक कर नरवाई जलाने पर दंडित करने के निर्देश दे चुकी है। जिले में नरवाई में आग जनित दुर्घटना की रोकथाम के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। किसान अब लोक अभियांत्रिकी विभाग के माध्यम से सुपर सीडर ड्रिल मशीन के माध्यम से नरवाई के प्रबंधन के विकल्पों तथा नई तकनीक से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही कृषि उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे हैं। जिससे जिले मे किसानों द्वारा नरवाई को भूमिगत कर अधिक लाभ मिल सकें एवं फसलों मे आग जनित घटनाएं कम हो सके। इसी क्रम मे किसान द्वारा सुपर सीडिल का उपयोग कर मुनाफा कमा रहे है।

सुगमता से हो जाता है खेत तैयार

जिले के ग्राम मोहपानी के कृषक शेर सिंह राजपूत भी उन किसानों में शामिल हैं, जिन्होंने कस्टम हायरिंग योजनांतर्गत सुपर सीडर मशीन प्राप्त की। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों से इस योजना की जानकारी ली और अनुदान के माध्यम से 1.85 लाख रुपये की सुपर सीड ड्रिल मशीन ली। उन्होंने धान फसल की कटाई के उपरांत बिना नरवाई पराली जालाये अगली फसल की तैयारी की। वे बताते हैं कि उन्होंने नरवाई युक्त खेत में इस मशीन के माध्यम से अगली फसल के लिए कम समय में सुगम सुविधाजनक रूप से कार्य किया। वे कहते हैं कि पहले परंपरागत रूप से खेती करने पर गेहूं फसल की कटाई के बाद खेत में खड़ी नरवाई में आग लगाते थे। उसके बाद खेत में कल्टीवेटर व रोटावेटर से खेत की तैयारी करते थे। पराली व नरवाई में आग लगाने से मिट्टी में युक्त किसान मित्र सूक्ष्म जीव जंतु एवं पोषक तत्व नष्ट हो जाते थे और समय व लागत भी अधिक लगती थी। अब कृषि अभियांत्रिकी से कृषक श्री राजपूत द्वारा नरवाई प्रबंधन से संबंधित उन्नत कृषि यंत्र का लाभ प्राप्त कर खेत में पड़ी नरवाई को जलाये बिना सीधे सुपर सीडर मशीन से बोनी करने पर नरवाई खेत की मिट्टी में विलय होकर खाद के रूप में परिवर्तित हो जाता है। इससे खेत की तैयारी में लागत और समय की बचत होती है।

समय की होती है बचत

कृषक श्री राजपूत बताते हैं कि पहले जब वे खेत में बखरनी करते थे तब डीजल में 1500 रुपये खर्च हो जाते थे और समय भी अधिक लग जाता था। सुपर सीडर ड्रिल मशीन की मदद से उनका 1500 रुपये का डीजल खर्च और समय दोनों की बचत होती है। वे बताते हैं कि इसके माध्यम से उनका उत्पादन बढ़ा है। इसके माध्यम से उन्होंने गेहूं में साढ़े सात हजार रुपये अतिरिक्त आय अर्जित की। कृषक श्री राजपूत शासन की योजना के अंतर्गत प्राप्त हुई सुपर सीडर मशीन के उपयोग से अत्यंत प्रसन्न हैं। वे अन्य किसानों को भी इस योजना का लाभ लेने के लिए और नवीन तकनीक को अपनाकर नरवाई नहीं जलाने की अपील करते हैं। इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देते हैं।

पराली के बन जाते है बारीक टुकड़े

ज्ञात है कि सुपर सीडर ऐसा नवीन कृषि यंत्र है जिसके माध्यम से गेहूं की फसल हार्वेस्टर से कटने के बाद पराली डंठल जो खेत में रह जाते हैं। सुपर सीडर के माध्यम से बारीक कटकर खेत की मिट्टी में मिल जाते हैं। इसमें खेतों में बिना जुताई-बखराई के सीधे पराली को काटकर मिट्टी में मिलाते हुए नीचे उर्वरक एवं उपर बीज की बोनी होती है। इस तरीके से बोनी करने पर बीज का अधिकतम अंकुरण होता है एवं उत्पादन 8 से 10 प्रतिशत अधिक प्राप्त होता है। पराली के मिट्टी में मिल जाने के कारण मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ने से मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

सदस्यता अभियान व चुनाव हेतु कांग्रेस बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस की सदस्यता अभियान एवं चुनाव के संबंध में कांग्रेस कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें नरसिंहपुर चुनाव अधिकारी बोगा जगदीश ने बताया कि मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के चुनाव में नामांकन प्रकिया जारी है जो 27 अप्रैल से 6 मई तक समय निर्धारित है तत्पश्चात नामांकन की जांच कर प्रत्याशियों को चुनाव सीरियल नंबर आवंटित किए जाएंगे उसके बाद 16 मई से 15 जून तक सदस्यता मतदान की प्रकिया शुरू होगी। नामांकन एवं सदस्यता की उम्र 18 से 35 वर्ष के युवा युवतियां भाग ले सकेंगे, सदस्यता शुल्क 50 रूपये निर्धारित है, चुनाव ब्लॉक कमेटी, विधानसभा कमेटी, जिला महासचिव जिलाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष के स्तर पर चुनाव प्रक्रिया अनुसार पद तय किए है, सदस्यता एवं चुनाव प्रकिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए पूरी प्रकिया ऑनलाइन रखी है । आपने बताया कि ऐप के जरिए सदस्यता अभियान और मतदान प्रकिया को रखा है। बैठक में युवा कांग्रेस के रोहित पटेल ,अतुल चैरासिया, विवेक पटेल, अंकुर बटरी, शुभम ठाकुर ,अभिषेक प्रजापति, संजय मेहरा, पलाश लोधी सहित युवा साथीगण मौजूद रहे।

चांवरपाठा में आयोजित हुई जल संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकासखंड चांवरपाठा में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में संगोष्ठी आयोजित की गई। जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद जयनारायण शर्मा ने जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्यों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में अनेक कार्य किये जा रहे हैं। बरसात के पूर्व जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसमें कंटूर ट्रेंच, खेत- तालाब, खंती निर्माण और पुरानी जल संरचनाओं की साफ- सफाई व जीर्णोद्धार के कार्य किये जा रहे हैं। इसके अलावा नागरिकों को अभियान से जोड़ने व जल संचयन के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान राज्य शासन के निर्देशानुसार 30 जून तक चलाया जा रहा है। संगोष्ठी में अतिथियों ने कहा कि यह अभियान सिर्फ शासकीय अभियान नहीं हैं, यह आने वाली पीढ़ी के लिए है। आने वाली पीढ़ी के लिए आज से ही हम सभी को जल की एक- एक बूंद को सहेजने का कार्य करना चाहिये। संगोष्ठी में महाराज बड़ाराम जानकी मंदिर बरमान रघुनाथ दास त्यागी , जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल व नीलेश पटेल, भगवान उपाध्याय, पं. कम स्वरूप शर्मा, बाबूलाल नोरिया, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के सदस्य, धार्मिक व अध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, मेंटर्स प्रस्फुटन समितियों एवं सामाजिक कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद थे।

गंगा सप्तमी पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रविवार को गंगा सप्तमी के अवसर पर नर्मदा तट बरमानघाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। सुबह से ही लोग नर्मदा तट पर पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने स्नान-ध्यान कर पुण्य लाभअर्जित किया। मान्यता है कि गंगा सप्तमी के दिन मां गंगा स्वयं मां नर्मदा से मिलने आती हैं। इस विशेष दिन पर श्रद्धालुओं ने नर्मदा में स्नान कर मां गंगा और मां नर्मदा से सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। घाट पर पूजन-अर्चन के साथ भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए घाट पर सुरक्षा बल तैनात किए गए।

तेज हवा के साथ हुई बारिश

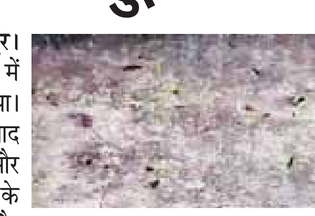

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले में रविवार को मौसम में अचानक बदलाव देखा गया। दिनभर तेज धूप और उमस के बाद शाम 5 बजे तेज हवा चली और हल्की बारिश हुई। गोटेगांव क्षेत्र के लाठगांव, पिपरिया, मुंगवानी और नोनी करेली में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। इससे खेतों में पक चुकी उड़द की फसल को नुकसान पहुंचा है। ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल भी प्रभावित हो सकती है। मौसम में बदलाव के बावजूद जिले में गर्मी का प्रकोप जारी रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह रविवार से 0.2 डिग्री अधिक था। न्यूनतम तापमान में भी 2.2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई और यह 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सामाजिक न्याय की दिशा में उचित है जातिगत जनगणनाः चौधरी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। केन्द्र सरकार की 2026 की जनगणना के साथ जातिगत जनगणना कराने की घोषणा सामाजिक न्याय की दिशा में एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक कदम है। यह संभव लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की दूरदर्शिता, अर्थक संघर्ष और अडिग प्रतिबद्धता के कारण संभव हो सका। उक्त बात शनिवार को होटल अमर पैलेस में आयोजित पत्रकारवार्ता में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. विक्रम चैधरी ने कही। डॉ. चैधरी ने पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि राहुल गांधी लंबे समय से संसद और संसद के बाहर जातिगत जनगणना करने की मांग कर रहे थे। यही कारण है कि कांग्रेस के साथ समूचे विपक्ष और जनजनार्दन की इस मांग को केन्द्र सरकार नजरअंदाज नही कर सकी। डॉ. चैधरी ने कहा कि जातिगत जनगणना से देश की वास्तविक स्थिति सामने आयेगी इससे सरकार को योजना बनाने और उनके क्रियान्वयन करने में सरलता होगी। प्रदेश प्रवक्ता डॉ. चैधरी ने कहा कि राहुल गांधी की हर बात देश के सामने सच के रूप में सामने आई चाहे वह कृषि कानूनों की वापसी, अग्निवीर योजना में सुधार, ब्रॉडकासंटिग सर्विसेज बिल की वापसी, लेटरल एंट्री भर्ती रद्द, जीएसटी दरों में कमी और सुधार, नोटबंदी और कोविड के अलावा ऐसे अनेक मुद्दे और विषय रहे जिसको राहुल गांधी ने समय से पहले सरकार को चेताया। आपने बताया कि जब केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी तो किसी घटना और आतंकवादी हमलों पर विपक्ष सरकार पर सवाल पर सवाल करता था। अनावश्यक आरोप भी लगाए जाते थे किन्तु इस बार आतंकवादी घटना पर समूचे विपक्ष ने सरकार को हरसंभव समर्थन देने का ऐलान किया है। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेन्द्र राजपूत ने कहा कि निश्चित तौर पर जातिगत गणना लेने के लिए केन्द्र सरकार मजबूर हुई है। श्री राजपूत ने महंगाई बेरोजगारी को भयावह बताते हुए जिले की कानून व्यवस्था को बत्तर बताया। वरिष्ठ नेता लाखन सिंह पटेल ने कहा कि पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ केन्द्र सरकार की नीति ढुलमुल है। साथ ही जातिगत जनगणना कराने की समय सीमा और उसके बिन्दु तय किए जाएं। पत्रकार वार्ता में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अमित राय गोलू, देवेन्द्र शुक्ला आदि मौजूद थे।

नपा में मनाया गया फायर दिवस

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। रविवार को फायर दिवस पर नगर पालिका परिसर में नगर पालिका के फायर विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अजीत जाट ने कहा कि फायर विभाग में कार्यरत कर्मचारी निष्ठा और समर्पण से काम करते हैं। पार्षद नीलकमल जैन नीलू, भाजपा सिंहपुर मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह जाट ने कहा कि इन कर्मचारियों को कई बार जोखिम उठकर कार्य करना पड़ता है। जरूरत है कि हम सब समय-समय पर प्रोत्साहन के लिए इनको सम्मानित करें। उक्त मौके पर आर आई राजेश पटेल, वाहन शाखा बाबू सुनील कुर्मी, वाहन प्रभारी राजा भैया जाट, वाहन चालक सूरज गुहेरा, महेश पटेल, दुर्गेश कुमार, ईश्वर पाल, धनीराम, फायर मेन नीलेश वंशकार, मोहन, रज्जन, शारदा, पप्पू, महावीर , जीत कुमार के अलावा अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

आदिवासी क्षेत्रों में आवागमन सुविधाओं की जरूरत

तेंदूखेड़ा

आवागमन विकास में सहायक होता है। जहां जितना सुगम आवागमन होता है वह क्षेत्र उतना ही विकास करता है। लेकिन इसी आवागमन की समस्या को लेकर आदिवासी बाहुल्य ग्राम विकास की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पा रहा है। यहां के लोग पहले कच्चे कीचड़ युक्त दुर्गम मार्ग से पैदल आना जाना किया करते थे।समय की रफ्तारन के हिसाब से फिर पक्का सड़क मार्ग बन तो गया लेकिन आवागमन यात्री वाहनों की इस मार्ग पर आज भी चलन नहीं है।जिस कारण से यहां के लोग या तो स्वयं के बाहनों से आवागमन किया करते हैं।या फिर मजबूरीबश माल बाहक वाहनों में भेड़ बकरी की तरह क्षमता से अधिक जान जोखिम में डालकर आना जाना किया करते हैं। इतना ही स्कूली छात्र छात्राओं को हायर सेकंडरी और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए या तो पैदल आना जाना किया करते हैं या फिर मोटरसाइकिलों से लिफ्ट लेकर आते जाते हैं।

आवागमन और चिकित्सा के क्षेत्र में वंचित है क्षेत्र

तीन जिलों सागर रायसेन और नरसिंहपुर जिले की सीमा से लगे ग्राम मर्रावन इमलिया खकरैडी ब्रह्मनी मौआखेडा और स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महती भूमिका निभाने वाले ग्राम ढिलवार आने जाने के लिए कोई भी यात्री बस सेवा उपलब्ध नहीं है।आजादी के बाद पांच दशकों तक यह क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से दूर ही रहा। पूर्व में यहां पर एक आयुर्वेदिक औषधालय तो खोला गया था लेकिन किन्हीं कारणों बस आज तक बंद पड़ा हुआ है। यहां के लोगों को आज भी मरीजों को लेकर तेंदूखेड़ा इलाज कराने आने पड़ता है।या फिर नीम हकीम अपनी दुकान चलाते हैं। मरीजो को मोटरसाइकिल से या फिर तेंदूखेड़ा से बाहन बुलाकर इलाज कराने के लिए ले जाना पड़ता है। यहां पर यात्री वाहनों की दरकार है। मप्र सरकार द्वारा फिर से सड़क परिवहन सेवा शुरू करने जा रही है।इस आदिवासी बाहुल्य ग्रामों को जोड़ने के लिए प्राथमिक मिले।

बिल्थारी ग्राम भी आवागमन सुविधा से दूर

शासन ने पिछले दस सालों में पहुंच विहीन गांवों को मुख्य सड़क मार्गों से जोड़ा है चाहे प्रधानमंत्री सड़क मार्ग हो या फिर अन्य मदों से सड़कों का निर्माण लेकिन आवागमन की व्यवस्था अभी तक मुहैया ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। पुण्य सलिला मां नर्मदा के किनारे बसे ग्राम बिल्थारी आवागमन की दृष्टि से बाहनों की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यहां पर भामा तरफ से होकर या फिर डोभी तरफ से जाने के लिए पक्के सड़क मार्ग तो बन गये हैं लेकिन यात्री वाहनों की बेहद कमी है।

यात्री बसों का प्रचलन शुरू हो

ग्राम पंचायत मर्रावन की आदिवासी महिला सरपंच श्रीमती संजो बाई का कहना है कि हमारा क्षेत्र आवागमन की दृष्टि से काफी उपेक्षित है यहां पर यात्री टाइमिंग बसों का प्रचलन शुरू होना चाहिए। यात्री वाहनों को चलने से लोगों को जहां सुविधा होगी वहीं स्कूली बच्चों को भी आवागमन में सुविधा होगी।

अच्छी आय प्राप्त होगी

ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुग्रीव ठाकुर का कहना है कि यहां पर यात्री वाहनों की व्यवस्था होने से राजस्व की अच्छी प्राप्ति होगी।माल बाहक वाहनों द्वारा मनमाफिक किराया लिया जाता है। और बाहनों में क्षमता से अधिक लोगों को भरा जाता है। चूंकि आवागमन लोगों की मजबूरी है इसलिए आना जाना करना पड़ता है।

आदिवासी क्षेत्र ही वंचित क्यों

मर्रावन ग्राम पंचायत के उपसरपंच नन्हेलाल अरमू का कहना है कि हमारा आदिवासी क्षेत्र ही आवागमन की सुविधा से वंचित है। इमलिया से बड़ी संख्या मजदूर माल बाहक वाहनों में भरकर सुबह जाते और वापस लौट कर आते भी हैं। यहां पर यात्री वाहनों की व्यवस्था होनी चाहिए।

गेहूं उपार्जन हेतु स्लॉट बुकिंग हेतु अंतिम तिथि आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के ऐसे कृषक जिन्होंने समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए पंजीयन कराया है, लेकिन अभी तक गेहूं विक्रय के लिए स्लॉट बुक नहीं किया है। ऐसे समस्त कृषक जिला खाद्य कार्यालय नरसिंहपुर में 5 मई 2025 तक आवेदन कर अपना स्लॉट बुक करा सकते हैं और समर्थन मूल्य पर अपनी गेहूं का विक्रय कर सकते हैं। यह जानकारी जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।